पुरुष टीम में खेलनी वाली पहली महिला

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की बेहतरीन खिलाड़ी और विकेटकीपर सारा टेलर ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। सारा ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों के ए–ग्रेड क्रिकेट मैच में खेलने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी। सारा ने 2015 में दो दिवसीय ए ग्रेड मैच खेला और ऐसा करने वाली वह विश्व की पहली महिला क्रिकेट खिलाड़ी बनी। सारा ऑस्ट्रेलिया में पोर्ट ऐडलेड के खिलाफ नॉर्दन डिस्ट्रिक्ट की तरफ से मैदान में उतरीं।

कोहली को प्रपोज कर चर्चा में आई थी खूबसूरत क्रिकेटर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इंग्लैंड। बेखौफ बैटिंग, बिंदास लाइफ, तेज तर्रार विकेटकीपर और मनमौजी... हम यहां बात कर रहे हैं इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर सारा टेलर की। 20 मई (1989) यानी आज 31वां जन्मदिन मना रही सारा करियर में टॉप पर थीं तो अचानक ही संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। वजह थी तनाव। विराट को प्रपोज कर चुकी हैं इससे उनकी बिंदास लाइफ का अंदाजा लगा सकते हैं। सारा भारत में तब पहली बार चर्चा में आई जब उन्होंने 2014 में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली को प्रपोज कर दिया था। इसके 5 वर्ष बाद दोनों की मुलाकात भी हुई थी। सारा टेलर की उन तस्वरों ने तहलका मचा दिया था, जिसे उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए खिंचवाए थे।

तनाव की वजह से लिया संन्यासः टेलर ने सितंबर 2019 में तनाव को वजह बताते हुए संन्यास ले लिया। उन्होंने कहा था, 'मेरा 2006 में सपना सच हुआ और मैंने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ जो हासिल किया, उस पर मुझे गर्व है। यह मेरे और मेरे स्वास्थ्य के लिहाज से संन्यास लेने का सही समय है लेकिन मैंने इंग्लैंड की तरफ से खेलते हुए हर पल का आनंद लिया। मेरा समर्थन करने के लिए सभी का आभार।'

विश्व क्रिकेट आईपीएल का रद्द होना बर्दाश्त नहीं कर सकता

कोरोना की वजह से इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन मुश्किल में है

क्रिकेट

- वायरस की वजह से पूरी दुनिया को बड़ा आर्थिक नुकसान होता दिख रहा है
- टूर्नामेंट रद्द हुआ तो वर्ल्ड क्रिकेट को बड़ा नुकसान पहुंचेगाः सुंदर रमन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। कोरोना वायरस की वजह से दुनियाभर तमाम मुश्किलों से जूझ रही है। लॉकडाउन है। लोग घरों में बंद रहने को मजबूर हैं। जिंदगी पर एक ब्रेक सा लग गया है। खेल टूर्नमेंट एक के बाद एक या तो स्थगित होते जा रहे हैं या फिर रद्द। इंडियन प्रीमियर लीग के आयोजन पर भी खतरा मंडरा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसे फिलहाल अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया है, लेकिन यह लीग होगी या नहीं कुछ कहा नहीं जा सकता है।

इस बारे में इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर रमन का मानना है कि टूर्नमेंट का रद्द होना बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। आर्थिक दृष्टि से विश्व क्रिकेट इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता है। आईसीसी और बीसीसीआई में प्रमुख पदों पर काम कर चुके रमन ने बताया क्यों इस तरह के बड़े टूर्नमेंट के रद्द होना विश्व क्रिकेट नहीं झेल सकता है। उन्होंने बताया, इस तरह की लीग पूरे साल के रेवेन्यू का 40 प्रतिशत हिस्सा लाते हैं। आईपीएल (कुल 8 टीमें हैं) में एक टीम 85 करोड़ रुपये प्लेयर्स को सैलरी देती है। अगर ऐसा नहीं होता है तो दुनियाभर के खिलाड़ी बड़े पैमाने पर प्रभावित होंगे। आईसीसी के लिए तीन से चार बोर्ड पैसे लाते हैं, जिनका बड़ा हिस्सा ब्रॉडकास्ट रेवेन्यू से आता है। इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में होने वाले टी–20 वर्ल्ड से 70 प्रतिशत अधिक रेवेन्यू आईपीएल–2020 से आने की उम्मीद थी।

दूसरी ओर, कोरोना वायरस की मौजूदा स्थिति पर नजर डालें तो दुनिया में अब तक संक्रमित होने वालों की संख्या 50 लाख से अधिक हो चुकी है, जबकि सवा 3 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। भारत की बात करें तो एक लाख से अधिक संक्रमित हुए हैं, जबकि 3 हजार से अधिक की मौत हो चुकी है।

बीसीसीआई के गले की फांस बन सकता है आईसीसी का फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कोविड –19 महामारी को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय मैचों में घरेलू अंपायर रखने की सिफारिश की है, जो भारतीय मैच अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। देश के कई मौजूदा और पूर्व मैच अधिकारियों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मैचों खासकर टेस्ट मैच में कम अनुभव के कारण यह भारत के घरेलू अंपायरों के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। पिछले साल आईसीसी के एलीट पैनल के अंपायरों से भारतीय अंपायर एस रवि को बाहर कर दिया गया। इसके बाद इसमें कोई भी भारतीय अंपायर नहीं है।

- आईसीसी के के अंतरराष्ट्रीय पैनल में भारत के सिर्फ 4 ही हैं

सिर्फ चार भारतीय हैं शामिल

टेस्ट मैच के लिए अंपायरों को इसी सूची से चुना जाता है। इससे नीचे की श्रेणी में आने वाले आईसीसी के अंतरराष्ट्रीय पैनल के अंपायरों में चार भारतीय है जिसमें से सिर्फ नितिन मेनन (तीन टेस्ट , 24 एकदिवसीय और 16 टी 20 अंतरराष्ट्रीय) के पास टेस्ट मैचों का अनुभव है। इनके अलावा सी शमशुद्दीन (43 एकदिवसीय, 21 टी 20 अंतरराष्ट्रीय), अनिल चौधरी (20 एकदिवसीय, 20 टी 20 अंतरराष्ट्रीय) और वीरेन्द्र शर्मा (दो एकदिवसीय और एक टी 20) को टेस्ट मैचों का अनुभव नहीं है।

इसलिए है बड़ी चुनौतीः अनुभव नहीं होने के बाद भी ये अंपायर जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में अंपायरिंग कर सकते है। दो टेस्ट और 34 एकदिवसीय में अंपायरिंग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर हरिहरन ने बताया, 'यह एक बड़ी चुनौती है , लेकिन इसके साथ ही एक बड़ा अवसर है। विभिन्न प्रारूप में अलग – अलग तरह का दबाव होता है। टेस्ट में पास के क्षेत्ररक्षकों द्वारा दबाव बनाया जाता है जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में दर्शकों का शोरगुल अंपायरों के काम को मुश्किल बनाता है।' उन्होंने कहा, 'सिर्फ अंपायरिंग फैसले ही नहीं , आक्रामक अपील और खराब रोशनी जैसी अन्य चीजें मुश्किल स्थिति पैदा कर सकती है। ऐसे में तटस्थ अंपायरों को स्थानीय अंपायरों की तुलना में निष्पक्ष फैसला लेने की संभावना अधिक होती है।'

जून से खेल गतिविधियां शुरू कर सकता है बीसीसीआई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के चलते भारत में बीते दो महीने से क्रिकेट गतिविधियां थमी हुई हैं। इस बीच राहत की खबर है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) देश में अगले महीने से खेल की शुरुआत कर सकता है।

कर्नाटक में जरूरी ऐहतियाती कदम उठाते हुए व्यापार खोलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बीसीसीआई भी भारतीय क्रिकेट में गतिविधियां अगले महीने बेंगलुरु स्थित नैशनल क्रिकेट अकादमी से ही शुरू करना चाहता है। बोर्ड अधिकारी और मैनेजर बीते दो महीने से संपर्क में हैं। और ऐसे में इसकी उम्मीद की जा रही है कि जून से धीरे–धीरे क्रिकेट गतिविधियों की शुरुआत की जा सकती है।

बीसीसीआई सूत्र ने स्पोर्ट्सकीडा ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया, बोर्ड इसके साथ ही केंद्र सरकार के साथ ही भी संपर्क में हैं। लेकिन बीसीसीआई बेशक क्रिकेट की शुरुआत करने के लिए कैंप लगाने की शुरुआत करना चाहता है।श हालांकि सूत्र ने यह साफ किया कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भारत को शामिल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कब शुरू होगा।

न्यूज डायरी

शाहिद अफरीदी के बिगड़े बोल, कहा पीएसएल में हो कश्मीर की टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पाकिस्तान। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी इन दिनों काफी विवादों में हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो काफी वायरल हो रहा था जिसमें वह कश्मीर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी जहर उगला था। इसके बाद भारत में अफरीदी की काफी छीछालेदार हुई थी। अब अफरीदी का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह एक बार अर्नगल बातें कर रहे हैं। अफरीदी को इस वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से कहना चाहता हूं कि अगली बार जब वह पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) का आयोजन करे तो एक नई टीम कश्मीर की भी शामिल करे। मैं उस टीम की अपने आखिरी क्रिकेटिंग साल में कप्तानी करना चाहूंगा। मैं पीसीबी से गुजारिश करूंगा कि अगली फ्रैंचाइजी कश्मीर की हो। हरभजन सिंह और सुरेश रैना ने इस मुद्दे पर अफरीदी को जमकर लताड़ लगाई थी। युवराज ने कहा था कि वह अफरीदी का समर्थन नहीं करेंगे। वहीं हरभजन ने अफरीदी को लिमिट में रहने को कहा था।

कोरोना वायरस के खौफ काल में 'लौटने' की हड़बड़ी में नहीं मनु और दीक्षा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सरकार ने लॉकडाउन–4 में भले ही स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को खोलने की इजाजत दे दी है लेकिन खिलाड़ी मैदान में लौटने की हड़बड़ी में नहीं हैं। इनमें वैसे खेलों के खिलाड़ी भी शामिल हैं जिनको ट्रेनिंग पार्टनर की जरूरत नहीं। चौंपियन शूटर मनु भाकर और इंटरनैशनल गोल्फर दीक्षा डागर ने कहा कि जिस तरह से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं उसको देखते हुए फिलहाल वे मैदान में उतरना नहीं चाहतीं। मनु ने कहा कि अभी देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, ऐसे में वह जल्दबाजी नहीं करेंगी। उन्होंने कहा, श्मैं लॉकडॉउन के दौरान भी अपने घर में बनी रेंज या अपने स्कूल की रेंज में लगातार प्रैक्टिस करती रही हूं। मैं अभी हरियाणा में अपने गांव में हूं जहां कोरोना के मामले आए हैं। मैं दिल्ली में कर्णी सिंह शूटिंग रेंज के पास जहां किराए के घर में रहती हूं वह भी रेड जोन में है। ऐसे में मैं नहीं चाहती कि किसी तरह का रिस्क लूं। अभी फेडरेशन की तरफ से भी कुछ नहीं कहा गया है। कुछ निर्देश आएगा तो सोचूंगी की क्या करना है।

ट्रैक पर लौटीं दुती चंद अर्जुन अवॉर्ड नहीं मिलने से निराश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत की सबसे तेज दौड़ने वाली महिला ऐथलीट दुती चंद एक बार फिर ट्रैक पर लौट आई हैं। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खोलने की अनुमति मिलने की खबर मिलते ही दुती अपनी स्पाइक्स के साथ स्टेडियम पहुंच गईं। भुवनेश्वर से दुती ने बताया, 'स्टेडियम खुलने की खबर अच्छी थी। मैं घर पर हल्का–फुल्का अभ्यास ही कर पाती थी, लेकिन मैं स्प्रिंटर हूं, मुझे ट्रैक चाहिए। जब आप दौड़ते हैं तो आपको अहसास होता है कि आप हवा को चीर रहे हैं। वह अहसास खास होता है और मैं उसको फिर से जीना चाहती थी।' कलिंगा स्टेडियम अमूमन ऐथलीटों से भरा रहता है, लेकिन दुती जब सोमवार की सुबह वहां पहुंचीं तो नजारा बिल्कुल अलग था। दुती ने बताया, 'स्टेडियम में ऐथलीट के नाम पर सिर्फ हम दोनों ही थे। न कोई कोच, न ट्रेनर।

लॉकडाउन के दौरान तकनीकों से रूबरू हुए हॉकी खिलाड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कई नई तकनीकें सीख गई हैं जिनकी जरूरत उन्हें कोरोना लॉकडाउन के दौरान इंडोर अभ्यास में पड़ रही है। दोनों टीमें यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में है चूंकि मार्च से ही देशव्यापी लॉकडाउन के कारण खेल बंद है। कोचिंग स्टाफ भी इसी केंद्र पर है लेकिन सामाजिक दूरी के नियमों के कारण टीमें विभिन्न ऐप का इस्तेमाल करके अपना काम उस पर जमा कर रही हैं। महिला टीम की उपकप्तान सविता ने कहा, 'इससे पहले इन ऐप का इस्तेमाल सप्ताह की गतिविधियां तय करने के लिए कोचिंग स्टाफ ही करता था जो बाद में हमसे साझा की जाती थी।' उन्होंने कहा, 'इसके बाद मुख्य कोच या वैज्ञानिक सलाहकार से वीडियो कॉल पर इस पर चर्चा की जाती है।'